an>

Title: Regarding allocation of funds for repair of National Highway Nos. 161, 361 and 61 in Maharashtra.

श्री राजीव सातव (हिंगोली) : अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से यह इश्यू तीसरी बार रेज कर रहा हूं। मेरे क्षेत्र में नरसिंह नामदेव है, जहां पंजाब से हज़ारों की तादाद में लोग आते हैं। हमारे बिट्टू जी भी बीच में वहां आए थे। बारह ज्योतिर्लिंग में से एक ज्योतिर्लिंग है औंढ़ा नागनाथ और साढ़े तीन शक्तिपीठ में से एक शक्तिपीठ माहूर की देवी, इन तीनों स्थलों को जोड़ने वाले तीन राष्ट्रीय महामार्ग आते हैं- राष्ट्रीय महामार्ग नं. 161, जो वाशिम-हिंगोली-वारंगा होकर नांदेड़ जाता है, राष्ट्रीय महामार्ग नं. 361, जो नांदेड़-हडगांव-उमरखेड़ जाता है, राष्ट्रीय महामार्ग नं. 222, जो बसमत-नांदेड़ से गुजरता है। इनके पुनर्निमाण के लिए मैं आपके माध्यम से तीसरी बार सरकार से आग्रह करता हूं। यहां पर वेंकैया जी खुद बैठे हैं, तो शायद मेरी बात सरकार सुन लेगी, ऐसी मैं सरकार से अपेक्षा रखता हूं।

माननीय अध्यक्ष : कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री राजीव सातव द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

Shri Yogi Adityanath – not present.

The House stands adjourned to meet again tomorrow, the 25th February, 2016 at 11 a.m.

20.22 hours

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Thursday, February 25, 2016/Phalguna 6, 1937 (Saka).

---

* ण्ड्ढ म्श्र्द अ ङ्क्षद्धत्ड्ढड्ड ङ्डद्दध्ड्ढ ण्ड्ढ दङ्कड्ढ द्द ड्ड ग्ड्ढश्वड्डद्ध त्दड्डत्हङ्कय्ड्ढ्रू ण्ङ्कद्य ण्ड्ढ द्वड्ढद्यत्दद ङ्क्षद्म ड्डहय्द्वड्डथ्न् ड्डत्ड्ढड्ड द्द ण्ड्ढ ढथ्द्दद्ध द्द ण्ड्ढ Hद्दद्वम्ड्ढ ड्ढ्र ण्ड्डद्य ग्ड्ढश्वड्डद्ध.

* ग़्द्य् द्धड़्ढहद्धड़्ड्ड्ढड़्ड.

* ग़्द्य् द्धड़्ढहद्धड़्ड्ड्ढड़्ड.

* ग़्द्य् द्धड़्ढहद्धड़्ड्ड्ढड़्ड.

* ग़्द्य् द्धड़्ढहद्धड़्ड्ड्ढड़्ड.

* ग़्द्य् द्धड़्ढहद्धड़्ड्ड्ढड़्ड.

* ग़्द्य् द्धड़्ढहद्धड़्ड्ड्ढड़्ड.

* ग़्द्य् द्धड़्ढहद्धड़्ड्ड्ढड़्ड.

* ग़्द्य् द्धड़्ढहद्धड़्ड्ड्ढड़्ड.

* ग़्द्य् द्धड़्ढहद्धड़्ड्ड्ढड़्ड.

* ग़्द्य् द्धड़्ढहद्धड़्ड्ड्ढड़्ड.

* ग़्द्य् द्धड़्ढहद्धड़्ड्ड्ढड़्ड.

* ग़्द्य् द्धड़्ढहद्धड़्ड्ड्ढड़्ड.

* ग़्द्य् द्धड़्ढहद्धड़्ड्ड्ढड़्ड.

* ग़्द्य् द्धड़्ढहद्धड़्ड्ड्ढड़्ड

* ग़्द्य् द्धड़्ढहद्धड़्ड्ड्ढड़्ड.

* ग़्द्य् द्धड़्ढहद्धड़्ड्ड्ढड़्ड.

* ग़्द्य् द्धड़्ढहद्धड़्ड्ड्ढड़्ड.

(ग़्द्य् द्धड़्ढहद्धड़्ड्ड्ढड़्ड.

* ग़द्द्य् द्धड्ढहद्दद्धड्ड्ड्ड्ढड्ड.